भरतपुर के भीमसिंह को थ्रेशर खरीदने के लिये अनुदान मिला

ग्रामीण सेवा शिविर में कृषक भीमसिंह को सवा लाख रुपये अनुदान के रुप में दिये गये

जयपुर, (निसं)। केन्द्र और राज्य सरकार ने किसान की आय बढ़ाने के लिए पीएम किसान सम्मान निधि, सिंचाई सुविधाओं के विकास और उन्नत बीज जैसी कई पहल की हैं। इसी क्रम में किसानों को उन्नत खेती के लिए कृषि उपकरण खरीदने के लिए अनुदान भी दिया जा रहा है।

भरतपुर जिले के भुसावर में ग्राम पंचायत झारौटी निवासी भीमसिंह मीणा पुत्र रामजीवन मीणा को मल्टीक्रॉप थ्रेशर मशीन खरीदनी थी, लेकिन वह इसकी कीमत 2.5 लाख रुपये चुकाने की स्थिति में नहीं था। उसने कृषि विभाग के अधिकारियों से बात की तो पता चला कि 2.5 लाख रुपये देने की जरूरत नहीं है, आधा पैसा सरकार दे देगी। उसने फॉर्म भर दिया और मंगलवार को झारौटी में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर ने उसे 1.25 लाख का अनुदान स्वीकृत कर दिया गया। भीमसिंह के लिए खेती अब अधिक आधुनिक, लाभकारी और सुविधाजनक बन जायेगी, उत्पादन में वृद्धि होगी, आय बढ़ेगी। यह मशीन बीज और भूसे को अलग करने का कार्य तेजी और दक्षता से करती है, जिससे श्रम की आवश्यकता कम होती है और समय की बचत होती है।

भरतपुर के भुसावर में ग्राम पंचायत झारौटी निवासी भीमसिंह मीणा को अनुदान स्वीकृत पत्र दिया।

- किसान भीमसिंह ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह अनुदान नहीं मिलता तो कई साल तक मैं मल्टीक्रॉप थ्रेशर मशीन खरीद नहीं पाता

किसान भीमसिंह ने बताया कि मल्टीक्रॉप थ्रेशर के प्रयोग से फसल की गुणवत्ता और चमक बनी रहती है, जिससे बाजार में उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त होता है। यह अनुदान केवल आर्थिक सहायता नहीं बल्कि आधुनिक कृषि की ओर बढ़ने का एक मजबूत आधार है, जो भविष्य में आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भीमसिंह ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 1.25 लाख रूपये बहुत बड़ी रकम होती है। यह अनुदान नहीं मिलता तो शायद कई साल तक मैं मल्टीक्रॉप थ्रेशर मशीन खरीद नहीं पाता।

पावटा में सफाई कर्मियों की हड़ताल 24वें दिन भी जारी

पावटा, (निसं)। नगरपालिका में ठेका व्यवस्था के तहत कार्यरत सफाई कर्मियों की हड़ताल बुधवार को 24वें दिन भी जारी रही। दो माह का बकाया मानदेय नहीं मिलने से नाराज कर्मचारियों ने नगरपालिका कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शीघ्र भुगतान की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि बकाया मानदेय का भुगतान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कर्मचारियों ने कहा कि मजबूरन शहर का कचरा नगरपालिका कार्यालय एवं अन्य सरकारी कार्यालयों के बाहर डालकर विरोध दर्ज कराया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

- दो माह का बकाया मानदेय नहीं मिलने से नाराज हैं सफाई कर्मचारी
- बकाया भुगतान नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी

वाल्मीकि सेना के प्रदेश पदाधिकारी अनिल वाल्मीकि ने बताया कि ठेकेदार के माध्यम से कार्यरत सफाई कर्मचारियों को पिछले दो माह से मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है। लगातार आर्थिक संकट झेल रहे कर्मचारियों के सामने परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि कई बार जिला मुख्यालय और उपखंड स्तर पर ज्ञापन एवं धरना-प्रदर्शन के माध्यम से समस्या उठाई जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने ठेका व्यवस्था से जुड़े सुपरवाइजर पर भी गंभीर आरोप लगाए। कर्मचारियों का कहना था कि भुगतान की मांग करने पर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। महिला सफाई कर्मियों ने भी भुगतान को लेकर अपमानजनक टिप्पणियां करने और असम्मानजनक व्यवहार के आरोप लगाए। सफाईकर्मियों ने कहा कि वे अपने अधिकारों और मेहनत की कमाई के लिए संघर्ष कर रहे हैं तथा जब तक बकाया राशि का भुगतान नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। धरना-प्रदर्शन में वाल्मीकि सेना के पदाधिकारी सुरेंद्र बिवाल, शंकर वाल्मीकि, रोहतास, राजेश, संदीप, लोकेश, उदय, राकेश सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

नगरपालिका अधिशासी अधिकारी ऋषिदेव ओला ने बताया कि संबंधित ठेकेदार से संपर्क किया गया, जिस पर ठेकेदार ने बुधवार शाम या गुरुवार सुबह तक कर्मचारियों के राशि का भुगतान की बात कही है।

भरतपुर के आरबीएम अस्पताल में डॉक्टर के देरी से आने पर हंगामा

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के आरबीएम अस्पताल में बुधवार सुबह गैस्ट्रोलॉजी विभाग में डॉक्टर के देर से आने और मरीजों से कथित व्यवहार को लेकर जमकर हंगामा हो गया। मरीजों और उनके परिजनों ने गैस्ट्रोलॉजी डॉक्टर पर समय पर ड्यूटी पर नहीं पहुंचने तथा शिकायत करने पर बदसलूकी करने के आरोप लगाए।

- मरीजों और उनके परिजनों ने डॉक्टर पर अभद्र भाषा का प्रयोग करने का आरोप लगाया

जानकारी के अनुसार गांव लुधावई निवासी मरीज जितेंद्र को सुबह करीब 8 बजे गैस्ट्रो विभाग के कमरा नंबर-157 में दिखाने लाया गया था। मरीज के परिजन राजेश जो पूर्व सरपंच बताया गया है ने बताया कि निर्धारित समय पर डॉक्टर मौजूद नहीं थे। परिजन का आरोप है कि कुछ देर बाद डॉक्टर चेंबर में पहुंचे, जब मरीज को दिखाने का आग्रह किया गया तो डॉक्टर ने उन्हें कमरे से बाहर जाने को कहा और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। इस दौरान मरीजों और परिजनों पूर्व सरपंच ने विरोध जताया, जिससे अस्पताल परिसर में हंगामे की स्थिति बन गई। विवाद के चलते कई मरीजों को इलाज के लिए इंतजार करना पड़ा। सूचना मिलने पर आरबीएम अस्पताल के पीएमओ अधीक्षक डॉ. नगेंद्र भदौरिया मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। उन्होंने दूसरे डॉक्टर की व्यवस्था कर मरीजों की जांच शुरू करवाई।

पीएमओ डॉ. नगेंद्र भदौरिया ने बताया कि डॉ. सौरभ जैन के खिलाफ मरीज और परिजनों से अभद्र व्यवहार करने की शिकायत मिली है। साथ ही उनके चेंबर छोड़कर चले जाने से मरीजों को परेशानी हुई। मामले की जांच कराई जा रही है और जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अस्पताल में डॉक्टरों का समय पर ड्यूटी पर उपस्थित रहना जरूरी है और मरीजों के उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

युवती ने शादी से मना किया तो युवक ने एआई से हनीमून की तस्वीरें बनाईं

उदयपुर, (कासं)। मध्यप्रदेश के भोपाल की एक युवती ने उदयपुर के युवक का शादी का प्रस्ताव ठुकरा दिया। इससे नाराज युवक ने एआई की मदद से शादी और हनीमून की फर्जी तस्वीरें बनाईं और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी। आरोपी ने युवती की गोद भराई के फर्जी निमंत्रण पत्र भी छपवाए। इन कार्ड्स में मेहमानों को चांदी का सिक्का देने की बात लिखी गई थी, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग कार्यक्रम में पहुंचे। आरोपी ने हॉकर के जरिए पूरी कॉलोनी में भी कार्ड बंटवा दिए गए। इतना ही नहीं ऑनलाइन कैब बुकिंग कराकर 500 टैक्सी-बाइक युवती के घर भेज दी। पीड़िता ने इस पूरे मामले की शिकायत मध्यप्रदेश के महिला आयोग में की और युवक पर उसे और परिवार को परेशान करने का आरोप लगाया है। हाल ही में उसने आयोग के सामने अपने बयान दर्ज कराए हैं और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

- पीड़िता ने मामले की शिकायत मध्यप्रदेश के महिला आयोग में की और युवक पर उसे और परिवार को परेशान करने का आरोप लगाया

युवती ने बताया कि मैंने जीवनसाथी डॉट कॉम पर प्रोफाइल बनाई थी। इसी दौरान राजस्थान के उदयपुर निवासी युवक से बातचीत हुई। परिवार की मौजूदगी में दोनों की एक मुलाकात भी हुई, लेकिन युवक का व्यवहार संदिग्ध लगा तो परिवार ने रिश्ता आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया। युवती ने बताया कि इसके बाद युवक लगातार कॉल और मैसेज कर परेशान करने लगा। तंग आकर मैंने जुलाई 2025 में उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। इसके बावजूद वह अलग-अलग नंबरों से मुझसे संपर्क करने की कोशिश करता रहा और परिवार के अन्य सदस्यों को भी परेशान करने लगा। पीड़िता ने आरोप लगाया कि जनवरी 2026 में युवक ने मेरे घर के पते पर ओला, उबर और रैपिडो के जरिए लगातार बुकिंग्स कराईं। एक ही दिन में करीब 500 टैक्सी और बाइक मेरे घर पहुंच गईं। आरोपी ने उज्जैन के लिए लंबी दूरी की राइड बुक की। ज्यादा कमाई की उम्मीद में ड्राइवर ने दूर-दूर से बुकिंग स्वीकार कर ली, जिसके कारण परिवार के साथ-साथ कैब ड्राइवरों को भी परेशानी उठानी पड़ी।

युवती का दावा है कि ब्लॉक किए जाने के बाद आरोपी ने किसी अन्य व्यक्ति की तस्वीर लगाकर एक नई फर्जी प्रोफाइल बनाई। इसके जरिए वह यह पता लगाने की कोशिश करता रहा कि मेरी किसी दूसरे रिश्ते के लिए बातचीत चल रही है या नहीं। शिकायत दर्ज होने के बाद संबंधित प्रोफाइल को हटा दिया। युवती ने आरोप लगाया कि आरोपी ने मेरी गोद भराई के फर्जी निमंत्रण पत्र भी छपवा दिए, जिसमें मेहमानों को चांदी का सिक्का देने की बात लिखी गई थी, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग कार्यक्रम में पहुंचे। बाद में उसने हॉकर के जरिए पूरी कॉलोनी में भी कार्ड बंटवा दिए गए। युवती ने बताया कि उसने इस पूरे मामले की शिकायत महिला आयोग में की है। हाल ही में उसने आयोग के सामने अपने बयान दर्ज कराए हैं और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल आयोग इस मामले की जांच कर रहा है। युवती ने बताया कि शिकायत दर्ज होने के बाद आरोपी ने एआईकी मदद से उसकी शादी और हनीमून की फर्जी तस्वीरें बनाई और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी। मध्य प्रदेश महिला आयोग के सचिव के सुरेश तोमर के अनुसार एआई से युवती के फोटो-वीडियो बनाकर उसे परेशान करने की कोशिश की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

फ्रांस के सैलानियों ने पटवा हवेली का भ्रमण किया

जैसलमेर, (निसं)। राजस्थान का सीमावर्ती जिला जैसलमेर दशकों से फ्रांस के सैलानियों की पहली पसंद रहा है। इसी कड़ी में इन दिनों फ्रांस से आए सैलानियों का एक दल स्वर्णनगरी की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को करीब से निहारने पहुंचा। सैलानियों में जैसलमेर के वैभव को देखने का उत्साह चरम पर नजर आया।

- जैसलमेर दशकों से फ्रांस के सैलानियों की पहली पसंद रहा है

फ्रांस के सैलानियों के इस समूह ने अपने सफर की शुरुआत सुबह ऐतिहासिक गड़ीसर झील के भ्रमण से की। सैलानियों ने झील के किनारे स्थित रियासत कालीन महादेव मंदिर में शिव परिवार के दर्शन किए। भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान दर्शाते हुए उन्होंने पूजा की थाली में भारतीय मुद्रा भी भेंट की। इसके बाद समूह ने गड़ीसर स्थित प्रसिद्ध टीलों की प्रोल के स्थापत्य को देखा और गाइड के माध्यम से उसके गौरवशाली इतिहास की विस्तृत जानकारी ली। गड़ीसर झील के बाद सैलानी विश्व प्रसिद्ध सोनार दुर्ग पहुंचे। दुर्ग परिसर में उन्होंने प्राचीन पार्श्वनाथ जैन मंदिर सहित अन्य जैन मंदिरों के दर्शन किए। इसके साथ ही सैलानियों ने दुर्ग में स्थित सनातन धर्म के मंदिरों और जैसलमेर के आराध्य देव श्री लक्ष्मीनाथ जी के मंदिर में शीश नवाया। दुर्ग की प्राचीर से सैलानियों ने समूचे सुनहरे शहर का अद्भुत और विहंगम दृश्य भी कैमरे में कैद किया।

भ्रमण के अगले चरण में यह दल शहर के बीचों-बीच स्थित ऐतिहासिक दीवान सालमसिंह मोहता की हवेली और दीवान नथमल गोयदानी (मेहता) की हवेली देखने पहुंचा। इसके बाद सैलानियों ने स्थापत्य कला के बेजोड़ नमूने पटुवा हवेली का दीदार किया। पटुवा हवेली के अग्रभाग में पीले पत्थरों पर की गई बारीक नक्काशी, और पत्थरों पर जीवंत रूप से उकेरे गए मोर, चिड़िया, हाथी और घोड़ों की आकृतियों को देखकर फ्रांसीसी दल पूरी तरह अभिभूत हो गया।

इस ग्रुप में शामिल फ्रांस के गैब्रियल जैसलमेर के पीत पत्थरों के शिल्प को देखकर मंत्रमुग्ध नजर आए। उन्होंने भारत की इस प्राचीन वास्तुकला की सराहना करते हुए कहा कि पत्थरों पर की गई ऐसी बारीक और हैरतअंगेज कारीगरी बहुतायत से मैंने अपनी पूरी जिंदगी में पहले कभी कहीं नहीं देखी है। इस यात्रा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जैसलमेर का हुनर और संस्कृति वैश्विक स्तर पर अपनी अमिट छाप छोड़ रही है।

युवक को झूठे मुकदमे में फंसाने के लिये लूट की कहानी रची, दो गिरफ्तार

गोठड़ा /नवलगढ़, (निसं)। पुलिस थाना गोठड़ा ने कथित लूट की एक झूठी वारदात का एक घंटे में पर्दाफाश कर दिया। पुरानी रंजिश के चलते एक युवक को झूठे मुकदमे में फंसाने के उद्देश्य से 2 लाख 15 हजार रूपए की लूट की मनगढ़ंत कहानी रची गई थी। पुलिस जांच में मामला पूरी तरह फर्जी पाए जाने पर दो युवकों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

जानकारी के अनुसार 23 जून को पुलिस नियंत्रण कक्ष झुंझुनूं के माध्यम से गोठड़ा थाना पुलिस को सूचना मिली कि चारण की ढाणी क्षेत्र में एक ड्राइवर के साथ कैंपर गाड़ी में आए बदमाशों ने मारपीट कर 2 लाख 15 हजार रूपए लूट लिए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया। साथ ही आसपास के लोगों से पूछताछ तथा क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का बारीकी से परीक्षण किया गया।

प्रारंभिक जांच में ही पुलिस को सूचना संदिग्ध लगी। जब तथ्यों का सत्यापन किया गया तो कथित लूट और मारपीट की पूरी कहानी झूठी निकली। पुलिस की सख्त पूछताछ में सूचनाकर्ता आशीष कुमार ने स्वीकार किया कि उसकी राहुल निवासी मुकुंदगढ़ के साथ पुरानी रंजिश चल रही थी। इसी कारण उसे झूठे मामले में फंसाने के उद्देश्य से लूट की फर्जी कहानी बनाकर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया गया। जांच के दौरान झूठी सूचना देने वाले व्यक्तियों ने उग्र एवं अशांतिपूर्ण व्यवहार भी किया, जिस पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने कैलाश पुत्र चिमनाराम तथा आशीष कुमार पुत्र हरलाल को गिरफ्तार कर लिया और पूछताछ शुरु की।

फर्जी आरटीओ बनकर लूट करने मामले में पांच आरोपी बरी

नसीराबाद, (कासं)। नसीराबाद-अजमेर मार्ग स्थित वीर घाटी में वर्ष 2018 में हुए चर्चित लूट प्रकरण में अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए पांचों आरोपियों को दोषमुक्त कर बरी कर दिया। न्यायालय ने माना कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे प्रमाणित करने में सफल नहीं हो सका, जिसके चलते आरोपियों को संदेह का लाभ दिया गया।

मामले के अनुसार 6 नवंबर 2018 को टोडारायसिंह (टोंक) निवासी कालू मोहम्मद ने नसीराबाद सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि वह ट्रक में भूसा भरकर जालौर स्थित गौशाला के लिए जा रहा था। रात के समय जब उसका ट्रक वीर घाटी क्षेत्र में पहुंचा, तब एक थार वाहन में सवार पांच लोगों ने ट्रक को रुकवाया। परिवादी के अनुसार आरोपियों ने स्वयं को आरटीओ विभाग का अधिकारी एवं कर्मचारी बताते हुए ट्रक चालक और खलासी के साथ मारपीट की तथा नकदी छीन ली। घटना के बाद सदर थाना पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने देराठू निवासी प्रधान, संपत, सत्यप्रकाश, सुखपाल एवं हिम्मत सिंह को गिरफ्तार कर न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया। इसके बाद मामला अपर जिला एवं सत्र न्यायालय में विचाराधीन रहा। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 6 गवाहों के बयान दर्ज कराए गए तथा 15 दस्तावेज न्यायालय में पेश किए गए। वहीं आरोपियों की ओर से अधिवक्ता हेमंत कुमार प्रजापति एवं अधिवक्ता राजेश लखन ने पक्ष रखते हुए अभियोजन के साक्ष्यों एवं गवाहियों में मौजूद विसंगतियों को न्यायालय के समक्ष रखा।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने तथा उपलब्ध साक्ष्यों का गहन परीक्षण करने के बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश ममता सैनी ने अपने निर्णय में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को पर्याप्त और विश्वसनीय साक्ष्यों के आधार पर सिद्ध नहीं कर पाया। फलस्वरूप न्यायालय ने संदेह का लाभ देते हुए सभी पांचों आरोपियों को दोषमुक्त कर बरी कर दिया।

वीर घाटी क्षेत्र में फर्जी आरटीओ बनकर ट्रक रोकने और लूट की वारदात का यह मामला उस समय काफी चर्चा में रहा था। करीब आठ वर्षों तक चले न्यायिक परीक्षण के बाद आए इस फैसले के साथ प्रकरण का पटाक्षेप हो गया। मामले में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता हेमंत कुमार प्रजापति एवं अधिवक्ता राजेश लखन ने विस्तृत कानूनी तर्क प्रस्तुत किए। न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों और तर्कों पर विचार करते हुए आरोपियों को दोषमुक्त करार दिया।

युवक ने आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के सदर थाना क्षेत्र में एक सत्रह वर्षीय युवक ने अपने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना माथुगामडा पाल फला डूंगर में हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।आत्महत्या के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है।

सदर थाने से मिली जानकारी के अनुसार माथुगामडा पाल फला डूंगर निवासी लालशंकर कटारा ने बताया कि लालशंकर और उनका परिवार एक शादी समारोह में गए हुए थे। इस दौरान उनका सत्रह वर्षीय बेटा सुमित घर पर अकेला था। जब परिवार के सदस्य घर लौटे तो उन्होंने देखा कि सुमित का शव घर के अंदर एक साड़ी के फंदे से लटका हुआ था। सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया, जहां पोस्टमॉर्टम के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया।

पांचना बांध का पानी कमांड क्षेत्र की नहरों में छोड़े जाने के आश्वासन पर धरना समाप्त

20 दिनों से चल रही किसान महापंचायत कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के आश्वासन के बाद समाप्त हो गई

गंगापुर सिटी, (निसं)। वजीरपुर उपखंड क्षेत्र के खंडीप में पांचना बांध का पानी कमांड क्षेत्र की नहरों में छोड़े जाने की मांग को लेकर पिछले 20 दिनों से चल रही किसान महापंचायत बुधवार को कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के आश्वासन के बाद समाप्त हो गई। मंत्री ने छह दिन में पानी नहरों में छोड़ने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि तय समय में नहरों में पानी नहीं आया तो वे खुद बांध पर धरना देकर बैठेंगे।

- किरोड़ी लाल मीणा ने छह दिन में पानी नहरों में छोड़ने का आश्वासन दिया और कहा कि तय समय में नहरों में पानी नहीं आया तो वे खुद धरना देंगे

डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि किसानों, जवानों व महिलाओं के सम्मान में अगर डॉक्टर को अपने प्राण भी देने पड़े तो वह हंसते हुए प्राण देने को भी तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मैंने पांचना बांध से पानी खुलवाने के लिए पहले भी आन्दोलन किया, पिलोदा में रैल रोकी, उसका मुकदमा दर्ज हुआ और मुझे न्यायालय ने एक साल की सजा सुनाई। मैंने हमेशा किसानों, जवानों एवं महिलाओं का सम्मान किया है और मेरे शरीर का एक-एक कतरा उनके लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के गृह राज मंत्री जवाहर सिंह बेढम भी पिछले छह दिन से भाईचारे को कायम रखने के लिए रात-दिन जुटे हुए हैं। किरोड़ी ने कहा कि 2020 व 2022 में भी कोर्ट ने पांचना से पानी खोलने के आदेश दिए तब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत थे, तब ये मांग क्यों नहीं उठाई गई। ये किसान से जुड़ा मुद्दा है, इसलिए मैं केवल किसानों के हितों की बात करूंगा। उन्होंने 11 सदस्ययी कमेटी का गठन करने का आव्हान करते हुए कहा कि एक जुलाई तक पांचना से पानी खोलने का रास्ता साफ हो जायेगा। पानी सभी को मिले और हाईकोर्ट के निर्देशों का पूरी तरह पालन हो। ये डॉक्टर किरोड़ी लाल व मेरी सरकार की जिम्मेदारी है। इसके बाद संघर्ष समिति के द्वारा धरना समाप्त करने की घोषणा की। इस दौरान विधायक रामकेश मीना, घनश्याम मेहर, इन्द्रिरा मीना, लाखन सिंह, दौसा सांसद मुरारीलाल मीना, टोंक सवाईमाधोपुर सांसद हरीश मीना सहित संघर्ष समिति के सदस्य एवं महिला-पुरूष आदि मौजूद थे।

दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन से पांच साल के बच्चे को उठाकर लाया युवक हिरासत में

झुंझुनूं, (निसं)। एक जागरूक यात्री की सतर्कता ने पांच वर्षीय मासूम को उसके परिवार से बिछड़ने से बचा लिया। शिकायत सही पाए जाने पर आरपीएफ ने युवक को हिरासत में ले लिया तथा बच्चे को सुरक्षित दस्तयाब कर लिया।

- सूरजगढ़ रेलवे स्टेशन के पास सैनिक एक्सप्रेस ट्रेन में रोते मिले पांच वर्षीय मासूम बच्चे का बचा जीवन, दौसा निवासी आकाश की सूझबूझ से आरोपी युवक पकड़ा गया
- आरोपी उमाशंकर ने बच्चे को दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन से उठाकर लाने की बात स्वीकार की, उसने कहा कि वह बच्चे को अपने पास रखकर बड़ा करना चाहता था, ताकि भविष्य में उसकी सेवा कर सके

जानकारी के अनुसार दिल्ली कैंट से जयपुर तक चलने वाली सैनिक एक्सप्रेस में एक युवक पांच वर्षीय बच्चे के साथ सवार हुआ था। ट्रेन में चढ़ने के बाद से ही बच्चा लगातार रो रहा था। उसी ट्रेन में अपने परिवार के साथ खाटूश्यामजी दर्शन के लिए जा रहे दौसा निवासी आकाश, जो एक पार्किंग कंपनी में कर्मचारी हैं, की नजर बच्चे पर पड़ी। बच्चे का लगातार रोना और युवक का व्यवहार उन्हें संदिग्ध लगा। आकाश ने युवक से बच्चे के बारे में पूछताछ की तो उसने खुद को बच्चे का पिता बताया। लेकिन जब बच्चे की मां के बारे में पूछा गया तो वह स्पष्ट जवाब नहीं दे सका। उसने कहा कि मां कहीं आसपास होगी, लेकिन काफी तलाश के बाद भी कोई महिला सामने नहीं आई। इससे यात्रियों का शक और बढ़ गया। यात्रियों ने जब युवक से सख्ती से पूछताछ की तो उसने स्वीकार कर लिया कि वह बच्चे को दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन से उठाकर लाया है। इसके बाद ट्रेन में मौजूद यात्रियों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए यात्रियों ने आरोपी की जमकर पिटाई कर दी। घटना के कई वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें आरोपी खुद को दिव्यांग बताते हुए और अपने आगे-पीछे कोई नहीं होने की बात कहकर सहानुभूति लेने की कोशिश करता दिखाई दे रहा है। घटना की सूचना तत्काल रेलवे अधिकारियों को दी गई। शिकायत मिलने के बाद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने बिना देरी किए कार्रवाई शुरू कर दी। उस समय ट्रेन सूरजगढ़ रेलवे स्टेशन के आसपास पहुंच चुकी थी।

शिकायतकर्ता आकाश से मिली जानकारी के आधार पर झुंझुनूं रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ के हैड कांस्टेबल सुदेश संबंधित कोच में पहुंचे और जांच की। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर आरपीएफ ने उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के कोसी कलां निवासी 36 वर्षीय उमाशंकर पुत्र दीनबंधु को हिरासत में ले लिया तथा बच्चे को सुरक्षित दस्तयाब कर लिया। आरपीएफ के एसआई अशोक कुमार यादव ने मामले की सूचना दिल्ली कैंट जीआरपी को दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बच्चा दिल्ली कैंट क्षेत्र के आसपास रहने वाले एक खानाबदोश परिवार से संबंधित है। फिलहाल बच्चे और आरोपी को आरपीएफ की निगरानी में रखा गया है। बच्चे की मां के पहुंचने के बाद आगे की कार्रवाई सीकर जीआरपी द्वारा की जाएगी।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी उमाशंकर ने बच्चे को दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन से उठाकर लाने की बात स्वीकार की है। उसने कहा कि वह बच्चे को अपने पास रखकर बड़ा करना चाहता था ताकि भविष्य में उसकी सेवा कर सके। हालांकि उसकी मानसिक स्थिति, नशे की आशंका और अन्य परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है।

उदयपुर के व्यवसायी सुसाइड केस में महिला आरोपी गिरफ्तार

महिला की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने दस हजार रूपये का इनाम घोषित किया था

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर की सुखेर थाना पुलिस ने व्यवसायी को सुसाइड के लिए मजबूर करने वाली चार साल से फरार महिला आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। महिला की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने दस हजार रूपये का इनाम घोषित किया था।

- घटना 29 जून 2022 की है, जब व्यापारी ने मित्र के घर पर सुसाइड कर लिया था

थानाधिकारी भरत योगी ने बताया कि मामले में मध्यप्रदेश के मंदसौर निवासी टीना नट को मध्यप्रदेश के पिपलिया मंडी से गिरफ्तार किया। महिला आरोपी 4 साल से फरार थी और इस पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस की टीम लगातार महिला की तलाश में जुटी थी, लेकिन महिला का मोबाइल बंद था। वह पुलिस से बचने के लिए अपनी लोकेशन बदलती रही। पुलिस ने बताया कि आरोपी महिला आरोपी टीना किराए का मकान लेने के सिलसिले में पीयूष गिलुंडिया से मिली थी। जिसके बाद टीना ने पीयूष पर जबरन छेड़छाड़ और रेप केस में फंसाने की धमकी देकर पैसों की मांग की थी। इस कारण लगातार पीयूष को परेशान किया जाता रहा। पीयूष मानसिक रूप से इतना दबाव में आ गया और उसने सुसाइड कर लिया।

जानकारी के अनुसार घटना 29 जून 2022 की है, जब शाम करीब छह बजे पीयूष गलुंडिया ने उसके मित्र सुनिल भंडारी के घर पर फांसी लगाकार सुसाइड कर लिया था। तब उसके पास से एक सुसाइड नोट मिला था, जिसमें लिखा था कि दक्षिण विस्तार योजना निवासी टीना द्वारा उसे झूठे आरोप में फंसाने की लगातार धमकियां मिल रही हैं। जिससे परेशान होकर वह सुसाइड का कदम उठा रहा है।